Topic - भाषा के आधारभूत कौशलों - बोलने का विकास

Ans → बोलना कौशल का अर्थ है विभिन्न संदर्भों में विभिन्न विषयों, मुद्दों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना, अपनी बात अभिव्यक्त करना है। सुनी गई बातों को अपने शब्दों में व्यक्त करना भी बोलना कौशल का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। जब हम बोलते हैं, तो उसमें अनेक मानसिक संक्रियाएँ शामिल होती हैं, जैसे- विचारों को संजोना, तर्क ढूंढना, विचारों की क्रमबद्धता, शब्दों और वाक्यों का चयन आदि। शुरुआती कक्षाओं में बोलने या उच्चारण की शुद्धता से अधिक महत्वपूर्ण है- अभिव्यक्ति, अभिव्यक्ति की इच्छा, अभिव्यक्त करने का आत्मविश्वास। यदि हम बच्चों को उनके अशुद्ध उच्चारण के लिए ही टोकते रहेंगे तो वे संभवतः बोलना ही छोड़ देंगे या चुप हो जायेंगे।

मौखिक अभिव्यक्ति हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है। इसी से हमारे भावों जैसे ~~उदासीनता~~ उदासीनता, खुशी, क्रोध आदि का भी आसानी से आभास होता है। यह व्यक्ति के सही व्यक्तित्व की पहचान भी होती है, जैसे- आत्मविश्वास, स्पष्टता, स्थिरता, मानसिक स्तर आदि। इससे हम व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सामंजस्य बिठाते हैं, साथ ही प्राथमिक स्तर पर शिक्षण का यह महत्वपूर्ण अंग है।

इस कौशल के विकास से विद्यार्थियों को बहुत लाभ होता है। जैसे- अवसरानुकूल विचार रखने के लिए उचित भाषा शैली का प्रयोग, अपनी बात प्रभावपूर्ण तरीके से रखना, पूछे गए प्रश्नों का सही व स्पष्ट उत्तर देने की क्षमता, संवाद के दौरान दूसरों के विचारों का विश्लेषण करते हुए अपनी बात शांतिपूर्ण परंतु प्रभावी रूप से सबके सामने प्रस्तुत करना।

END

Scanned with CamScanner